

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	अंतरराष्ट्रीय वन दिवस - राज्य स्तरीय कार्यक्रम
2.	'समर्थ योजना 2.0' से राजस्थान को संभावित लाभ
3.	राजस्थान मण्डपम और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. गणगौर उत्सव जयपुर - 2026 2. मारवाड़ अश्व अनुसंधान केंद्र, माणकलाव 3. 6th इंटरनेशनल क्लासिकल डांस एंड म्यूजिक फेस्टिवल : जयपुर 4. 'पढ़ाई विद AI' पहल : टोंक 5. पत्रिका की-नोट कार्यक्रम 6. वाणी उत्सव - 2026 (बाड़मेर) 7. जयपुर में 'U-आकार' की ट्रैफिक मैनेजमेंट प्रणाली 8. राजस्थान का पहला मिनी फूड पार्क और एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर 9. फ्लेक्सिबल स्मार्ट सेमीकंडक्टर सेंसर
5.	ऑपरेशन संकल्प
6.	IOS सागर
7.	महाड़ सत्याग्रह
8.	शिपकी ला दर्रा
9.	लघु जलविद्युत (SHP) विकास योजना
10.	भारत औद्योगिक विकास योजना (BHAVYA)
11.	निर्यात संवर्धन मिशन (EPM)
12.	अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कानून
13.	शाह गैस क्षेत्र
14.	अभ्यास सी ड्रैगन 2026
15.	पेट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली
16.	क्रायो-हाइड्रोलॉजिकल जोखिम
17.	उपभोक्ता न्याय रिपोर्ट 2026
18.	UNIGME रिपोर्ट 2025
19.	वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026
20.	वैश्विक आतंकवाद सूचकांक, 2026



राजस्थान परिदृश्य



अंतरराष्ट्रीय वन दिवस - राज्य स्तरीय कार्यक्रम



चर्चा में क्यों?

- अंतरराष्ट्रीय वन दिवस (21 मार्च) के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (RIC), जयपुर में किया गया।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

अंतरराष्ट्रीय
वन दिवस

वन एवं अर्थव्यवस्था - साथ चलें, साथ फलें

राज्य स्तरीय कार्यक्रम

मुख्य अतिथि
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

21 मार्च 2026 | दोपहर 12 बजे | राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर



मुख्य बिन्दु:

- संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2012 में 21 मार्च को 'अंतरराष्ट्रीय वन दिवस' के रूप में मनाए जाने की घोषणा की गई।
- वर्ष 2026 की थीम : "वन और अर्थव्यवस्था" (Forests and Economies)

--:2:--

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में:

- शाहपुरा (जयपुर) में इंटरप्रिटेसन सेंटर, वॉकिंग ट्रेल, वॉच टावर, सोलर फेंसिंग तथा जैव विविधता संरक्षण से जुड़े अनेक नवाचार युक्त 'अटल वन' का उद्घाटन।
- **समझौता ज्ञापन (MoU)** : राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता संरक्षण समिति (वन विभाग) और राजीविका (ग्रामीण विकास विभाग) के मध्य जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए 'जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया एवं पारिस्थितिकी तंत्र सेवा संवर्धन परियोजना' (CRESEP) के अंतर्गत समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर।
- **मुख्य उद्देश्य** : वन क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों की आजीविका को सशक्त बनाना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना।
- **"DigiVan" डिजिटल प्लेटफॉर्म का नया मॉड्यूल** : "DigiVan" डिजिटल प्लेटफॉर्म के PoC-3 एवं PoC-4 (प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट) मॉड्यूल्स की लॉन्चिंग। यह प्लेटफॉर्म राजस्थान वन विभाग द्वारा शुरू किया गया भारत का पहला 'डिजिटल फॉरेस्ट स्टैक' है।
- **उद्देश्य** : वन परियोजनाओं की प्लानिंग, ट्रैकिंग और वृक्षारोपण कार्यों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग करना।
- **20 प्रेय बेस ऑगमेंटेशन सेंटर** : वन्यजीव संरक्षण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 30 करोड़ की लागत से कोटा, बारां, पाली, सिरोही, चूरू, MHTR मुकुंदरा तथा अजमेर के प्रोटेक्टेड क्षेत्र में 20 प्रेय बेस ऑगमेंटेशन सेंटर का उद्घाटन किया गया।
- **उद्देश्य** : शिकारी वन्यजीवों के लिए वनों के अंदर ही पर्याप्त प्राकृतिक भोजन उपलब्ध कराना।
- यह पहल राज्य बजट 2025-26 का हिस्सा है, जिसमें पूरे राजस्थान में कुल 20 प्रेय बेस ऑगमेंटेशन एनक्लोजर (Enclosures) बनाने का प्रस्ताव है।

'समर्थ योजना 2.0' से राजस्थान को संभावित लाभ

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय बजट- 2026-27 में घोषित 'समर्थ 2.0' योजना राजस्थान के 'मैनचेस्टर' कहे जाने वाले भीलवाड़ा और रंगाई-छपाई के प्रमुख केंद्रों पाली तथा बालोतरा के लिए गेम चेंजर साबित होगी।



मुख्य बिन्दु:

- समर्थ 2.0, समर्थ योजना का अपग्रेडेड वर्जन है, जिसकी घोषणा केंद्रीय बजट 2026-27 में कपड़ा क्षेत्र के लिए एक नए एकीकृत कार्यक्रम के हिस्से के रूप में की गई थी।
- इसका मुख्य लक्ष्य उद्योग भागीदारों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच गहरे सहयोग के माध्यम से कपड़ा कौशल इकोसिस्टम का आधुनिकीकरण और उन्नयन करना है।

Daily Current Affairs

Date : 23 March, 2026



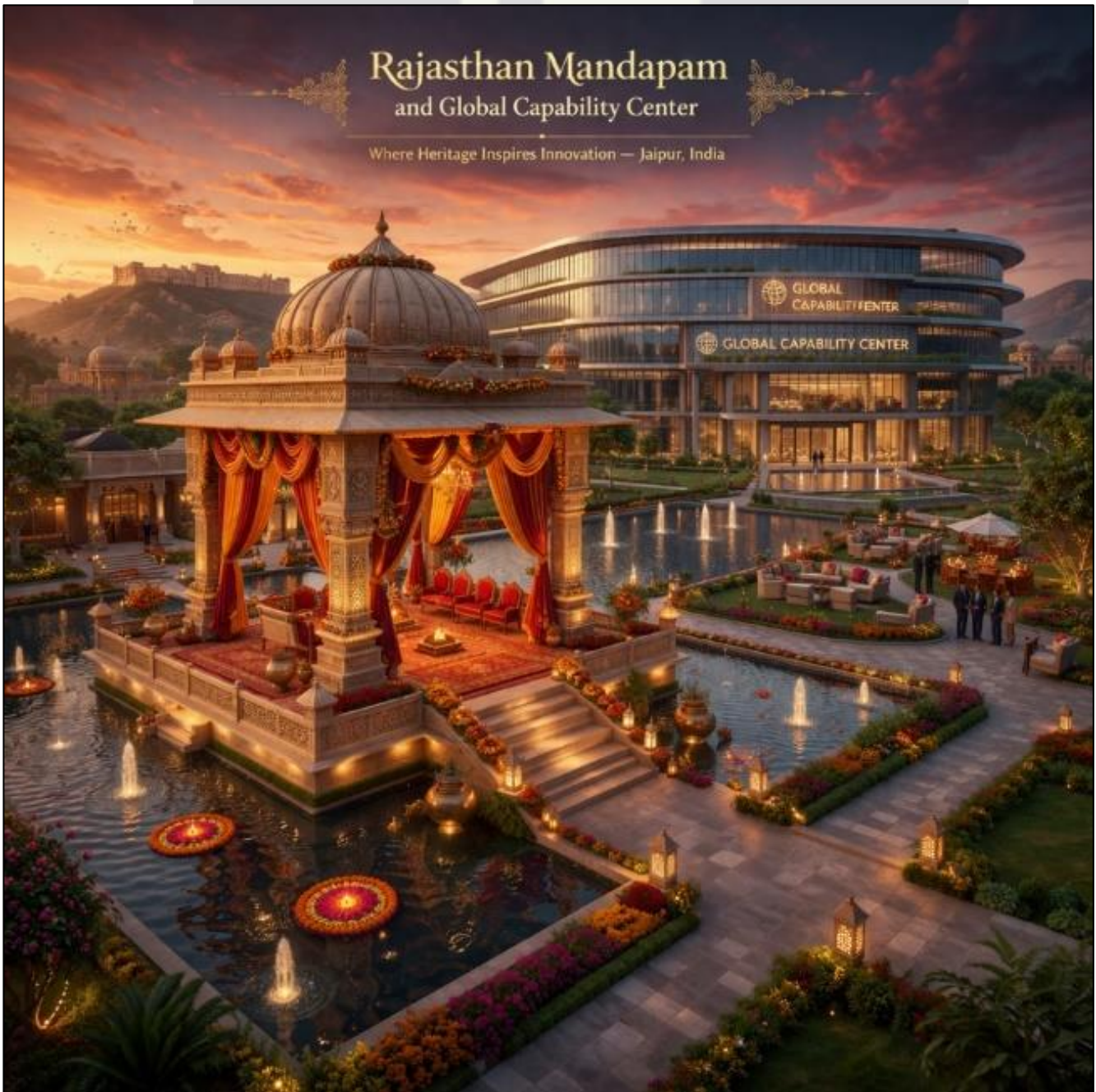
- **समर्थ योजना** : वर्ष 2017 में कपड़ा उद्योग में कुशल जनशक्ति की कमी को दूर करने के लिए शुरुआत।
- **नोडल मंत्रालय** : केन्द्रीय वस्त्र मंत्रालय।
- **फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:**
- **राजस्थान की पहली सूती वस्त्र मिल** : 'द कृष्णा मिल्स लिमिटेड' थी, जिसकी स्थापना वर्ष 1889 में ब्यावर में सेठ दामोदर दास राठी द्वारा की गई थी।
- **राजस्थान की सबसे बड़ी कपड़ा मिल** : पाली में स्थित महाराजा उम्मेद मिल (स्थापना - 1942) उत्पादन क्षमता के मामले में राज्य की सबसे बड़ी कपड़ा मिल है।
- **राजस्थान में कपड़ा उद्योग के प्रमुख केंद्र** :
- **बालोतरा** : विशेष रूप से कपड़ों की रंगाई और छपाई के कार्यों के लिए प्रसिद्ध।
- **भीलवाड़ा** : 'राजस्थान की वस्त्र नगरी' और 'राजस्थान का मैनचेस्टर'। यहाँ राज्य के सर्वाधिक सूती वस्त्र उद्योग स्थित हैं।
- **अन्य** : पाली, ब्यावर, विजयनगर, किशनगढ़, जयपुर और श्रीगंगानगर।
- **SPINFED** : निजी और सहकारी क्षेत्र की मिलों पर नियंत्रण के लिए 1 अप्रैल, 1993 को राजस्थान सहकारी स्पिनिंग एंड जिनिंग संघ (SPINFED) की स्थापना।

--:5:--

राजस्थान मण्डपम और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर

चर्चा में क्यों?

- नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम की तर्ज पर जयपुर में प्रस्तावित राजस्थान मण्डपम मल्टीनेशनल कंपनियों एवं कॉर्पोरेट जगत में सम्मेलन, सेमिनार एवं प्रदर्शनियों के आयोजन के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन होगा।



--:6:--

मुख्य बिन्दु:

- **वास्तुकार** : अनूप भरतिया।
- **निर्माण** : नेशनल बिल्डिंग्स कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन (NBCC) इंडिया लिमिटेड। NBCC नवरत्न दर्जा प्राप्त केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम (CPSE) है, जो केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- **घोषणा** : वित्त मंत्री दिया कुमारी द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के वार्षिक बजट में।
- यह केंद्र राजस्थान के MICE (Meetings, Incentives, Conferences, and Exhibitions) इकोसिस्टम को मजबूती देगा और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों, सम्मेलनों और प्रदर्शनियों के लिए एक प्रमुख केंद्र बनेगा।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (राजस्थान GCC पॉलिसी - 2025):

- राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) पॉलिसी - 2025 राज्य को वैश्विक नवाचार और निवेश के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए लॉन्च की गई है।
- इस नीति का मुख्य उद्देश्य राजस्थान को बहुराष्ट्रीय कंपनियों (MNCs) के लिए उनके बैक-एंड संचालन, IT, अनुसंधान और विकास (R&D) के लिए पसंदीदा स्थान बनाना है।
- **लक्ष्य** : वर्ष 2030 तक राजस्थान में 200 से अधिक GCC स्थापित करना।
- **प्रमुख हब** : जयपुर, जोधपुर और उदयपुर को GCC हब्स के रूप में विकसित किया जाएगा।
- **वैधता** : 31 मार्च, 2029 तक।
- **नोडल विभाग** : उद्योग एवं वाणिज्य विभाग।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>गणगौर उत्सव जयपुर - 2026</p> <ul style="list-style-type: none">■ आयोजन : चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से चैत्र शुक्ल तृतीया तक।■ मुख्य सवारी : जयपुर में प्रतिवर्ष गण और गौर की सवारी निकाली जाती है। यह राजस्थान का प्रमुख सांस्कृतिक और धार्मिक पर्व है जो माता पार्वती (गौरी) और भगवान शिव को समर्पित है।■ आयोजक : पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन, जयपुर।
2.	<p>मारवाड़ अश्व अनुसंधान केंद्र, माणकलाव</p> <ul style="list-style-type: none">■ हाल ही में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सृष्टि नव वर्ष 2083 के अवसर पर मारवाड़ अश्व अनुसंधान केंद्र, माणकलाव में वैदिक यज्ञ और अनुष्ठान में भाग लिया।■ मारवाड़ अश्व अनुसंधान केंद्र, माणकलाव (जोधपुर) स्वदेशी मारवाड़ी घोड़ों के संरक्षण, प्रजनन और अनुसंधान के लिए समर्पित है।
3.	<p>6th इंटरनेशनल क्लासिकल डांस एंड म्यूजिक फेस्टिवल : जयपुर</p> <ul style="list-style-type: none">■ हाल ही में, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ द्वारा 6th इंटरनेशनल क्लासिकल डांस एंड म्यूजिक फेस्टिवल के पोस्टर का विमोचन किया गया।■ आयोजन : 26 व 27 अप्रैल, 2026■ आयोजक : कथक आश्रम उदयपुर एवं ऑल इंडिया डांसर्स एसोसिएशन।

4.	<p>'पढ़ाई विद AI' पहल : टोंक</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, राजस्थान के मुख्य सचिव ने टोंक जिले में संचालित 'पढ़ाई विद AI' पहल की समीक्षा की।इस पहल का मुख्य उद्देश्य कठिन विषयों, विशेष रूप से गणित में छात्रों के प्रदर्शन को सुधारना और 'मैथ्स फोबिया' (गणित का डर) को कम करना है।इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी क्षमता के अनुसार प्रश्न अभ्यास, तत्काल समाधान एवं व्याख्या हिंदी एवं अंग्रेज़ी में द्विभाषीय सहायता से उपलब्ध कराई जा रही है।
5.	<p>पत्रिका की-नोट कार्यक्रम</p> <ul style="list-style-type: none">पत्रिका समूह के संस्थापक कर्पूर चन्द्र कुलिश की जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हाल ही में जयपुर में 'पत्रिका की-नोट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।थीम : 'लोकतंत्र और समाचार पत्र'।
6.	<p>वाणी उत्सव - 2026 (बाड़मेर)</p> <ul style="list-style-type: none">आयोजन : रूमा देवी फाउंडेशन और ग्रामीण विकास एवं चेतना संस्थान, बाड़मेर।उद्देश्य : पारंपरिक वीणा भजन गायन शैली का संरक्षण और संवर्धन।
7.	<p>जयपुर में 'U-आकार' की ट्रैफिक मैनेजमेंट प्रणाली</p> <ul style="list-style-type: none">जयपुर विकास प्राधिकरण (JDA) शहर की मुख्य सड़कों पर सिग्नल-मुक्त कॉरिडोर बनाने और भीड़ कम करने के लिए 'U-आकार' की ट्रैफिक मैनेजमेंट प्रणाली लागू कर रहा है।इस पहल का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक 'मीडियन कट' को बंद करना और उनकी जगह 'U-टर्न' बनाना है।

8.	<p>राजस्थान का पहला मिनी फूड पार्क और एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर</p> <ul style="list-style-type: none">■ जोधपुर में राजस्थान का पहला मिनी फूड पार्क और एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर स्थापित किया जाएगा।■ उद्देश्य : कृषि आधारित प्रसंस्करण इकाइयों को बढ़ावा देना और किसानों की आय में वृद्धि करना।■ क्षमता : 150 इकाइयाँ तीन चरणों में स्थापित करने की योजना।
9.	<p>फ्लेक्सिबल स्मार्ट सेमीकंडक्टर सेंसर</p> <ul style="list-style-type: none">■ IIT जोधपुर की हाइब्रिड इलेक्ट्रॉनिक सेंसर टेक्नोलॉजी (HESTECH) Lab द्वारा AIIMS जोधपुर के सहयोग से 'फ्लेक्सिबल स्मार्ट सेमीकंडक्टर सेंसर' विकसित किया जा रहा है।■ यह सेंसर शरीर के लचीलेपन के अनुरूप मुड़ सकता है और बिना किसी दर्द के पसीने और लार जैसे तरल पदार्थों के माध्यम से कैंसर जैसे रोगों की शुरुआती पहचान कर सकता है।■ इस नवाचार का मुख्य आधार कार्बनिक विद्युत-रासायनिक ट्रांजिस्टर (OECT) है।

राष्ट्रीय परिदृश्य

ऑपरेशन संकल्प

चर्चा में क्यों?

- भारतीय नौसेना के युद्धपोत ओमान की खाड़ी से भारतीय ध्वज वाले व्यापारिक जहाजों को सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं।



मुख्य बिन्दु:

ऑपरेशन संकल्प:

- **शुभारंभ:** 19 जून, 2019
- **उद्देश्य:** भारतीय ध्वज वाले जहाजों का सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करना। इसका लक्ष्य भारत के समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति लाइनों की रक्षा करना है।
- **संचालन क्षेत्र:** होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी क्षेत्र।
- **रणनीतिक महत्त्व:** वैश्विक तेल व्यापार का लगभग 20% होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

--:11:--

IOS सागर

चर्चा में क्यों?

- भारतीय नौसेना ने 'इंडियन ओशन शिप' (IOS) सागर पहल के दूसरे संस्करण का आयोजन किया।



मुख्य बिन्दु:

IOS सागर:

- **उद्देश्य:** यह मित्र देशों के नौसैनिक कर्मियों को भारतीय नौसेना के जहाज पर प्रशिक्षण लेने और साथ चलने में सक्षम बनाता है।
- **भागीदारी:** इसमें हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (IONS के 16 देशों ने भाग लिया।
- यह भारत के 'क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास' (SAGAR) के दृष्टिकोण के अनुरूप है।
- यह व्यापक 'MAHASAGAR' फ्रेमवर्क (Mutual and Holistic Advancement for Security Across the Regions) में भी योगदान देता है।

--:12:--

इतिहास एवं संस्कृति

महाड़ सत्याग्रह

चर्चा में क्यों?

- महाड़ सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में एक सम्मेलन आयोजित किया गया।



मुख्य बिन्दु:

महाड़ सत्याग्रह:

- **तिथि और स्थान:** इसकी शुरुआत 20 मार्च, 1927 को चवदार ताले (टैंक), महाड़ (महाराष्ट्र) में हुई थी।
- यह डॉ. बी. आर. अंबेडकर के नेतृत्व में एक अहिंसक विरोध प्रदर्शन था। इसका उद्देश्य अछूत (दलित) समुदायों को जल के सार्वजनिक स्रोतों का अधिकार दिलाना था, क्योंकि उन्हें जातिगत भेदभाव के आधार पर पानी लेने से रोका जाता था।
- इसमें सार्वजनिक तालाबों से पानी पीने और मनुस्मृति जलाने जैसे प्रतीकात्मक कार्य किए गए और जाति व्यवस्था को अस्वीकार किया गया।
- **प्रमुख नेता:** अनंतराव चित्रे, बापू सहस्रबुद्धे, संभाजी गायकवाड, रामचंद्र मोरे।
- एक दशक की मुकदमेबाजी के बाद, 1937 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने सार्वजनिक तालाब का उपयोग करने के अछूतों के अधिकार को बरकरार रखा।

भूगोल एवं भू-विज्ञान

शिपकी ला दर्रा

चर्चा में क्यों?

- भारत और चीन के बीच 1 जून से हिमाचल प्रदेश के शिपकी ला दर्रे के माध्यम से व्यापार शुरू होगा।



मुख्य बिन्दु:

- डोकलाम गतिरोध और कोविड-19 महामारी के बाद इस दर्रे से व्यापार बाधित हो गया था।
- वर्ष 2025 में, भारत और चीन तीन निर्दिष्ट व्यापारिक मार्गों के माध्यम से सीमा व्यापार को फिर से खोलने पर सहमत हुए थे। ये हैं; लिपुलेख दर्रा (उत्तराखंड), शिपकी-ला दर्रा और नाथू-ला दर्रा (सिक्किम)।
- लिपुलेख दर्रा भारत, चीन (तिब्बत) और नेपाल के ट्राई-जंक्शन के करीब स्थित है।

शिपकी ला दर्रा:

- यह भारत और तिब्बत (चीन) को जोड़ता है।
- सतलुज नदी शिपकी ला से ही भारत में प्रवेश करती है।

योजनाएँ एवं नीतियाँ

लघु जलविद्युत (SHP) विकास योजना

चर्चा में क्यों?

- लघु जलविद्युत (SHP) विकास योजना को मंजूरी दी गई। इस योजना से विशेष रूप से जलविद्युत की उच्च क्षमता वाले पूर्वोत्तर (NE) और पहाड़ी राज्यों को लाभ होगा।



मुख्य बिन्दु:

लघु जलविद्युत (SHP) विकास योजना की मुख्य विशेषताएँ

- अवधि: वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक।

वित्तीय सहायता:

- पूर्वोत्तर और सीमावर्ती क्षेत्र: ₹3.6 करोड़ प्रति मेगावाट या परियोजना लागत का 30% (जो भी कम हो)। अधिकतम सहायता सीमा ₹30 करोड़ प्रति परियोजना होगी।

--:15:--

- **अन्य राज्य:** ₹2.4 करोड़ प्रति मेगावाट या परियोजना लागत का 20% (जो भी कम हो)। वित्तीय सहायता की अधिकतम सीमा ₹20 करोड़ प्रति परियोजना होगी।
- **विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR):** राज्य और केंद्र सरकार को लगभग 200 DPR तैयार करने के लिए ₹30 करोड़ का आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाएगा।

लघु जलविद्युत (SHP) परियोजनाओं के बारे में

- भारत में 25 मेगावाट या उससे कम क्षमता वाले जल विद्युत संयंत्रों को 'लघु जलविद्युत' (Small Hydro) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- इन्हें पहाड़ी ढलानों पर लघु जल स्रोतों का उपयोग करते हुए रन-ऑफ-रिवर परियोजनाओं के रूप में या नहर के जलप्रपातों (Canal Falls) अथवा बांध के तल पर स्थापित किया जा सकता है।
- इनके विकास की निगरानी केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) द्वारा की जाती है।

वर्गीकरण (क्षमता के आधार पर):

- **सूक्ष्म (माइक्रो) जल विद्युत:** 100 किलोवाट (kW) तक।
- **मिनी जल विद्युत:** 101 किलोवाट से 2 मेगावाट (MW) तक।
- **लघु जल विद्युत:** 2 मेगावाट से 25 मेगावाट तक।

भारत औद्योगिक विकास योजना (BHAVYA)

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत औद्योगिक विकास योजना को मंजूरी दी। भारत औद्योगिक विकास योजना विश्व स्तरीय औद्योगिक अवसंरचना निर्माण की दिशा में प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक विकास के एक नए युग की शुरुआत का द्योतक है।



मुख्य बिन्दु:

BHAVYA की मुख्य विशेषताएँ

- **उद्देश्य:** 33,660 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ पूरे भारत में 100 प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क विकसित करना।
- औद्योगिक पार्क भूमि का एक नियोजित क्षेत्र होता है, जिसमें तैयार कारखाने (रेडी-बिल्ट फैक्ट्री) हो भी सकते हैं और नहीं भी, और इसमें कई उद्योगों के लिए साझा सुविधाएँ होती हैं।
- **पात्रता:** 100 एकड़ (पूर्वोत्तर और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए 25 एकड़) से लेकर 1000 एकड़ तक के औद्योगिक पार्कों का चयन किया जाएगा।
- **योजना की अवधि:** 6 वर्ष (वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2031-32 तक)।
- **कार्यान्वयन:** भारत सरकार के उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT) के तहत राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (NICDC) द्वारा, तथा राज्य और निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में।

निर्यात संवर्धन मिशन (EPM)

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने निर्यात संवर्धन मिशन (EPM) के तहत "RELIEF" पहल को मंजूरी दी।



मुख्य बिन्दु:

RELIEF

- **RELIEF से आशय:** निर्यात सुगमीकरण हेतु लचीलापन एवं लॉजिस्टिक्स हस्तक्षेप (रेजिलिएंस एंड लॉजिस्टिक्स इंटरवेंशन फॉर एक्सपोर्ट फैसिलिटेशन)
- **RELIEF पहल का उद्देश्य:** खाड़ी और पश्चिम एशिया समुद्री गलियारे में व्यवधानों के कारण माल ढुलाई दरों में असामान्य वृद्धि, बढ़े हुए बीमा प्रीमियम और युद्ध-संबंधी निर्यात जोखिमों से प्रभावित भारतीय निर्यातकों को सहायता प्रदान करना है।
- **नोडल और कार्यान्वयन एजेंसी:** ECGC लिमिटेड, जो केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की पूर्ण स्वामित्व वाली संस्था है।

निर्यात संवर्धन मिशन

- **दृष्टिकोण:** निर्यात संवर्धन के लिए एक व्यापक, मजबूत और डिजिटल रूप से संचालित फ्रेमवर्क प्रदान करना।
- **मिशन अवधि:** छह वर्ष (वित्त वर्ष 2025-26 से 2030-31 तक)
- **कार्यान्वयन एजेंसी:** विदेश व्यापार महानिदेशालय।



अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

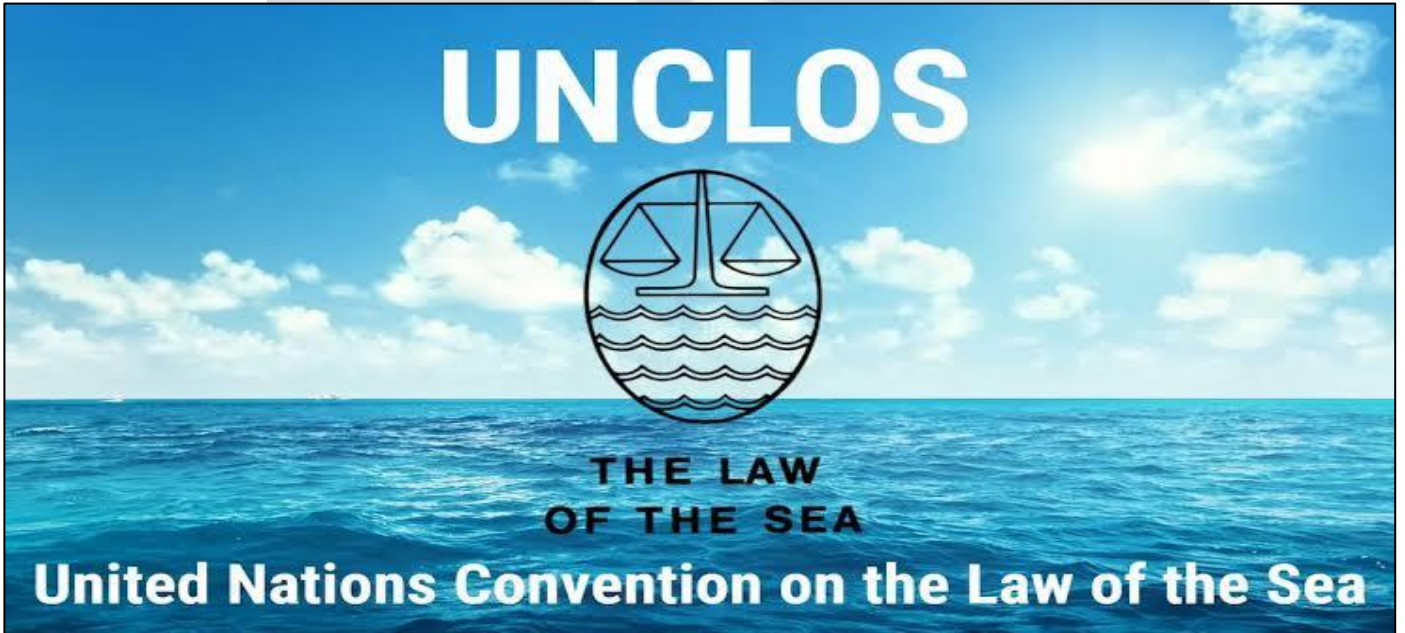


अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कानून



चर्चा में क्यों?

- हाल ही में एक अमेरिकी पनडुब्बी ने श्रीलंका के पास अंतर्राष्ट्रीय जल क्षेत्र में ईरानी युद्धपोत IRIS डेना को टॉरपीडो से डुबो दिया। इस घटना ने समुद्री कानून के कार्यान्वयन पर सवाल खड़े कर दिए हैं।



मुख्य बिन्दु:

अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कानून से संबंधित विधिक ढाँचा:

- **UNCLOS (संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून अभिसमय):** यह मुख्य रूप से शांति काल के दौरान समुद्री क्षेत्र में गतिविधियों को विनियमित करता है। हालांकि, यह सशस्त्र संघर्षों के दौरान नौसैनिक युद्ध को विनियमित नहीं करता है।

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के प्रावधान:

- **अनुच्छेद 2(4):** यह देशों के बीच बल प्रयोग को प्रतिबंधित करता है।
- **अनुच्छेद 51:** यह सशस्त्र हमले के बाद आत्मरक्षा में बल प्रयोग की अनुमति देता है।
- **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से अधिकृत:** सैन्य कार्रवाई अध्याय VII के तहत UNSC की मंजूरी से भी हो सकती है।

शाह गैस क्षेत्र

चर्चा में क्यों?

- ड्रोन हमले के बाद संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के शाह गैस क्षेत्र में परिचालन निलंबित कर दिया गया है।



मुख्य बिन्दु:

शाह गैस क्षेत्र:

- **स्थान:** यह सऊदी अरब की सीमा के पास संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में स्थित है।
- **प्रकार:** यह दुनिया के सबसे बड़े 'सौर गैस क्षेत्रों' (sour gas fields) में से एक है। इसमें प्राकृतिक गैस के साथ हाइड्रोजन सल्फाइड की बहुत अधिक मात्रा है।

अन्य प्रमुख स्थल:

- **साउथ पार्स गैस क्षेत्र:** यह ईरान के दक्षिणी तट पर स्थित है।
- यह कतर के 'नॉर्थ डोम' गैस क्षेत्र के साथ साझा किए गए एक विशाल गैस भंडार का हिस्सा है। ये दोनों क्षेत्र मिलकर दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस भंडार बनाते हैं।
- **रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी (कतर):** यहाँ दुनिया का सबसे बड़ा LNG निर्यात संयंत्र है।

--:20:--

अभ्यास सी ड्रैगन 2026



चर्चा में क्यों?

- भारतीय नौसेना उत्तरी प्रशांत महासागर में गुआम द्वीप (अमेरिकी क्षेत्र) के पास सी ड्रैगन 2026 में भाग ले रही है।



मुख्य बिन्दु:

अभ्यास सी ड्रैगन:

- यह अमेरिकी नौसेना के नेतृत्व में होने वाला एक वार्षिक बहुराष्ट्रीय एंटी-सबमरीन वारफेयर (ASW) अभ्यास है।
- यह अभ्यास ऑस्ट्रेलिया, जापान और न्यूजीलैंड की सेनाओं को एक साथ लाता है। इसका उद्देश्य समुद्र के भीतर युद्ध में समन्वय और युद्ध की तैयारी को बढ़ाना है।

पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली

चर्चा में क्यों?

- नाटो तुर्की के दक्षिणी प्रांत अदाना में अमेरिकी पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली तैनात कर रहा है।



मुख्य बिन्दु:

प्रणाली के बारे में:

- **'PATRIOT' का पूर्ण रूप:** फेज्ड एरे ट्रैकिंग रडार टू इंटरसेप्ट ऑन टारगेट (Phased Array Tracking Radar to Intercept on Target)।
- यह संयुक्त राज्य अमेरिका में विकसित जमीन आधारित, मोबाइल मिसाइल रक्षा इंटरसेप्टर है।
- यह मानवरहित हवाई वाहन, क्रूज मिसाइलों और कम दूरी की या सामरिक बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाता है, उन्हें ट्रैक करता है और नष्ट करता है।

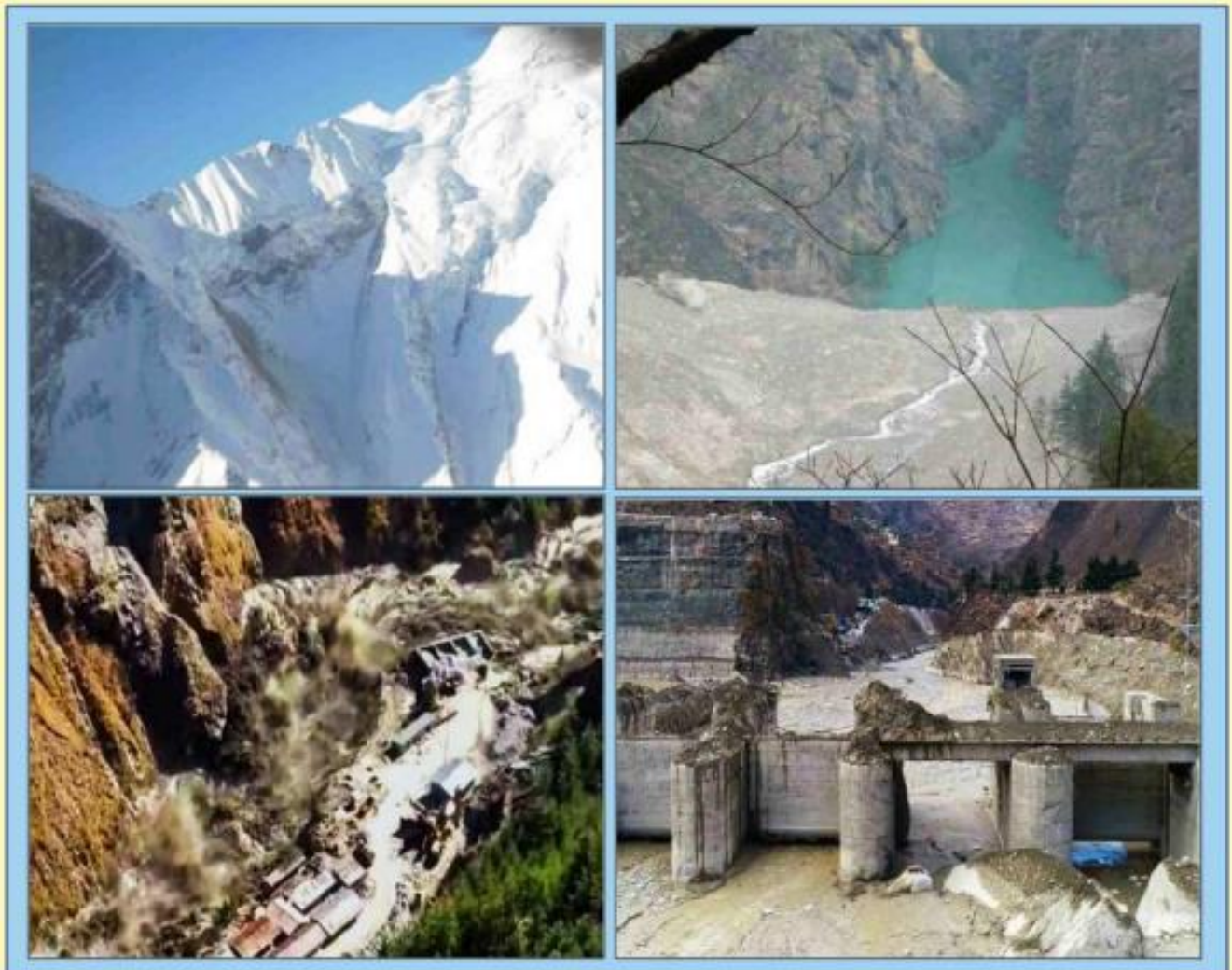
--:22:--

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

क्रायो-हाइड्रोलॉजिकल जोखिम

चर्चा में क्यों?

- इसरो के वैज्ञानिकों के एक हालिया अध्ययन के अनुसार वर्ष 2025 में धराली गांव में आई आकस्मिक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) का कारण बर्फ के टुकड़ों वाले खुले क्षेत्र (Exposed ice patch) का अचानक ढहना था। वैज्ञानिकों के अनुसार यह बाढ़ बादल फटने या हिमनदीय झील प्रस्फोट जनित बाढ़ (Glacial Lake Outburst Flood: GLOF) की वजह से नहीं आई थी।



--:23:--



मुख्य बिन्दु:

- बर्फ की यह परत श्रीकंठ हिमनद के 'हिम-अपरदन क्षेत्र' यानी निवेशन ज़ोन में स्थित था।
हिमालयी क्षेत्र में आपदाओं में वृद्धि के कारण
- जलवायु परिवर्तन: हिमनदों का तेजी से पिघलकर पतला होना, वर्षा पैटर्न में बदलाव और बढ़ता तापमान मौसमी बर्फ की उस परत को कम कर देते हैं, जो सामान्यतः नीचे की बर्फ को सुरक्षित रखती है।
- तापीय एवं यांत्रिक अस्थिरता: बर्फ के खुले व स्वतंत्र क्षेत्र तापमान में उतार-चढ़ाव और आंशिक हलचल के प्रति तेजी से प्रतिक्रिया करती है। इससे इनके तेजी से पिघलने, टूटने और गुरुत्वाकर्षण की वजह से अचानक ढहने का खतरा बढ़ जाता है।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

उपभोक्ता न्याय रिपोर्ट 2026

चर्चा में क्यों?

- उपभोक्ता न्याय रिपोर्ट 2026, इंडिया जस्टिस रिपोर्ट द्वारा जारी की गई है। इसका उद्देश्य भारत में उपभोक्ता विवाद निवारण आयोगों की क्षमता और प्रदर्शन का आकलन करना है।



मुख्य बिन्दु:

- लंबित मामलों का बढ़ता बोझ:** कोविड महामारी के बाद उपभोक्ता मामलों के निस्तारण दर में सुधार हुआ है। कुल 7.64 लाख मामलों में से 88.5% का निस्तारण हुआ। इसके बावजूद, 2020 से 2024 के बीच कुल लंबित मामलों में 21% की वृद्धि दर्ज की गई।
- यह उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत निर्धारित समय-सीमा से बहुत अधिक है, जो मामला दर्ज होने के तीन से पांच महीने के भीतर निस्तारण अनिवार्य करता है।

--:25:--

Daily Current Affairs

Date : 23 March, 2026



- **वैकल्पिक विवाद-निवारण उपायों का कम उपयोग (ADR):** 23 राज्यों के उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार, पूरे देश में केवल 134 मामलों को मध्यस्थता के लिए भेजा गया।
- **महिलाओं का कम होता प्रतिनिधित्व:** 14 राज्य उपभोक्ता आयोगों में अध्यक्षों और सदस्यों के रूप में महिलाओं की हिस्सेदारी 2021 की औसतन 35% से घटकर 2025 में 29% रह गई।
- **रिक्तियों की अधिक संख्या:** 2025 तक, लगभग 50% राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में अध्यक्ष का पद रिक्त था।



--:26:--

UNIGME रिपोर्ट 2025

चर्चा में क्यों?

- UNIGME द्वारा जारी 'बाल मृत्यु दर का स्तर और रुझान रिपोर्ट 2025' रेखांकित करती है कि भारत ने अपनी बाल मृत्यु दर में महत्वपूर्ण गिरावट हासिल की है।

मुख्य बिन्दु:

- यह रिपोर्ट 'बाल मृत्यु दर अनुमान पर संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी समूह' (UNIGME) द्वारा जारी की गई है।

भारत से संबंधित निष्कर्ष:

- पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर 1990 की 127 से घटकर 2024 में 26.6 हो गई है, जो 79% की तीव्र गिरावट दर्शाती है।
- नवजात मृत्यु दर 2024 में गिरकर 17 हो गई थी।
- शिशु मृत्यु दर गिरकर 23.3 हो गई।

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026

चर्चा में क्यों?

- 'खुशहाली और सोशल मीडिया' थीम के साथ वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026 प्रकाशित की गई है।

मुख्य बिन्दु:

- इसमें युवाओं की खुशहाली में "चिंताजनक" गिरावट पर प्रकाश डाला गया है और इसे सोशल मीडिया के उपयोग से जोड़ा गया है।

वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026:

- **प्रकाशक:** यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड में वेलबीइंग रिसर्च सेंटर, गैलप और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क।
- **शीर्ष 3 देश:** फिनलैंड, आइसलैंड, डेनमार्क।
- **अंतिम 3 देश:** अफगानिस्तान, सिएरा लियोन, मलावी।
- **भारत का स्थान:** 147 देशों में 116वां स्थान। यह 2025 में 118वें और 2024 में 126वें स्थान से आंशिक सुधार है।



वैश्विक आतंकवाद सूचकांक, 2026

चर्चा में क्यों?

- सिडनी स्थित स्वतंत्र थिंक टैंक 'इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस' द्वारा हाल ही में वैश्विक आतंकवाद सूचकांक, 2026 प्रकाशित किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- **शीर्ष स्थान:** पाकिस्तान इस सूचकांक में सबसे ऊपर रहा, जो आतंकवाद से सर्वाधिक प्रभावित देश है।
- आतंकवाद से होने वाली लगभग 70% मौतें केवल 5 देशों (पाकिस्तान, बुर्किना फासो, नाइजीरिया, नाइजर और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य) में हुईं।
- **आतंकवाद में गिरावट:** वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से होने वाली मौतों में 28% और हमलों की संख्या में लगभग 22% की कमी आई है।
- **वर्ष 2025 के 4 सबसे घातक संगठन:** IS, जमात नुसरत अल-इस्लाम वाल मुस्लिमिन (JNIM), तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) और अल-शबाब।
- **भारत का स्थान:** 13वां